प्रथम अंक

जुलाई 2026

न्यूज़ लेटर

विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, नवाचार एवं शैक्षणिक गतिविधियों का मासिक प्रकाशन

हरेला विशेषांक

इस अंक में विश्वविद्यालय की जुलाई 2026 की प्रमुख शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण समाचारों का संकलन प्रस्तुत किया गया है।

1800 180 4025 www.uou.ac.in admission@uou.ac.in

कुलपति की कलम से

हरेला : हरित भविष्य का सामूहिक संकल्प

उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति में हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, पर्यावरण संरक्षण और जीवन के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व हमें संदेश देता है कि मानव और प्रकृति का संबंध केवल उपयोग का नहीं, बल्कि संरक्षण और सहअस्तित्व का है। आज जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब हरेला का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने इस वर्ष जुलाई माह को "हरेला उत्सव" के रूप में सार्थक बनाते हुए 14 से 18 जुलाई तक पाँच दिवसीय वृहद हरेला महोत्सव का आयोजन किया। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में 500 से अधिक फलदार, छायादार, औषधीय एवं स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। साथ ही फलोद्यान, मियावाकी वन तथा विश्वविद्यालय पौधालय की स्थापना जैसे दूरदर्शी प्रयासों की शुरुआत कर पर्यावरण संरक्षण को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया गया।

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्यापक जनभागीदारी रही। पाँच दिनों तक आयोजित कार्यक्रमों में सांसद, विधायक, शिक्षाविद, जिलाधिकारी, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी, अधिकारी एवं कर्मचारी एक मंच पर आए और "एक पौधा-एक जिम्मेदारी" का संकल्प लिया। यह सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक व्यक्ति या संस्था का कार्य नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पौधों के संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन, हरित परिसर के निर्माण तथा सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण भी बना। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का विकास भी है। विश्वविद्यालय ने इस दिशा में एक अनुकरणीय पहल प्रस्तुत की है।

यह हरेला विशेषांक केवल जुलाई माह की गतिविधियों का संकलन नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी आस्था, उत्तरदायित्व और भविष्य की प्रतिबद्धता का दस्तावेज़ है। हमें विश्वास है कि यह अंक प्रत्येक पाठक को केवल एक पौधा लगाने के लिए ही नहीं, बल्कि उसके संरक्षण का संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित करेगा।

आइए, हम सब मिलकर हरित उत्तराखण्ड, स्वच्छ पर्यावरण और सतत भविष्य के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें। यही हरेला का संदेश है, यही हमारी संस्कृति का सार है और यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

स्वच्छ ऊर्जा से सुरक्षित भविष्य की ओर सार्थक पहल

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (सीआईक्यूए) के तत्वावधान में आयोजित विशेष व्याख्यान में भारत सरकार के पीएम-एसटीआईएसी (PM-STIAC) के सदस्य, पूर्व महानिदेशक डीआरडीओ, पूर्व सदस्य नीति आयोग तथा पद्मश्री एवं पद्मभूषण से सम्मानित प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और हरित भविष्य के लिए स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण के लिए ऊर्जा उत्पादन एवं उपभोग में वृद्धि के साथ सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन पर बल दिया।

"स्वच्छ ऊर्जा के साथ ऊर्जा सुरक्षा : हरित भविष्य की नई दिशा" विषय पर आयोजित इस व्याख्यान की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की।

डॉ. सारस्वत ने विश्वविद्यालय द्वारा ग्रीन कैंपस, ऊर्जा संरक्षण एवं सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए जलवायु परिवर्तन, नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन और जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. लोहनी ने विश्वविद्यालय के पर्यावरण संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई तथा व्याख्यान को विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी बताया।

व्याख्यान के उपरांत डॉ. वी.के. सारस्वत ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में सीआईक्यूए के निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने अतिथि का स्वागत किया तथा निदेशक अकादमिक प्रो. पी.डी. पंत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुचित्रा अवस्थी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव खेमराज भट्ट, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

SWOC विश्लेषण से संस्थागत विकास की नई रूपरेखा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस (CIQA) के तत्वावधान में विश्वविद्यालय के संस्थागत सुदृढ़ीकरण एवं भावी कार्ययोजना के निर्माण के उद्देश्य से सीडीएस जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार में SWOC (Strengths, Weaknesses, Opportunities and Challenges) विश्लेषण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने की। इसमें विश्वविद्यालय की विभिन्न विद्याशाखाओं, विभागों एवं प्रशासनिक इकाइयों के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता करते हुए संस्थागत उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया।

बैठक में विश्वविद्यालय की शक्तियों को सुदृढ़ करने, कमियों के समाधान, नई संभावनाओं के प्रभावी उपयोग तथा भविष्य की चुनौतियों का रणनीतिक ढंग से सामना करने पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए समय-समय पर आत्ममूल्यांकन की आवश्यकता पर बल देते हुए शिक्षा की गुणवत्ता, शोध, नवाचार, छात्र सेवाओं एवं प्रशासनिक दक्षता को और मजबूत बनाने के लिए व्यवहारिक एवं दूरदर्शी सुझाव देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर निदेशक अकादमिक प्रो. पी.डी. पंत, वित्त नियंत्रक एस.पी. सिंह तथा परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार ने अपने-अपने अनुभागों की उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी साझा की। बैठक में अकादमिक गुणवत्ता, डिजिटल शिक्षा, शोध, कौशल विकास, उद्योग एवं संस्थागत सहयोग तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी सुझाव प्राप्त किए गए। सीआईक्यूए के अतिरिक्त निदेशक प्रो. गगन सिंह ने बताया कि प्राप्त सुझावों के आधार पर विश्वविद्यालय के दीर्घकालिक संस्थागत विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन प्रो. जितेन्द्र पाण्डेय ने किया।

छात्र हित में बड़ी पहल, प्रवेश शुल्क पर अतिरिक्त भुगतान हुआ समाप्त

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने शिक्षार्थियों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में प्रवेश शुल्क पर लगने वाले अतिरिक्त भुगतान (कन्वीनियंस/पेमेंट चार्ज) को समाप्त कर दिया है। विश्वविद्यालय एवं पंजाब नेशनल बैंक (रेलवे बाजार शाखा, हल्द्वानी) के संयुक्त प्रयास से शुरू की गई इस सुविधा के अंतर्गत अब शिक्षार्थी क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। बैंक के तकनीकी सहयोगी PAYU द्वारा विकसित नए भुगतान गेटवे के माध्यम से प्रारंभिक चरण में दो लाख रुपये से अधिक की प्रवेश शुल्क राशि सफलतापूर्वक संग्रहित की गई। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव छात्र हितों को सर्वोच्च

प्राथमिकता देता है। उन्होंने बताया कि शिक्षार्थियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ को समाप्त करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है, जिससे विश्वविद्यालय की पारदर्शी, सरल एवं छात्र-केंद्रित डिजिटल व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी। प्रवेश प्रभारी डॉ. सुमित प्रसाद ने बताया कि ग्रीष्मकालीन प्रवेश सत्र में 9,500 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश ले चुके हैं तथा भविष्य में परीक्षा संबंधी शुल्कों का भुगतान भी इसी गेटवे से कराया जाएगा। इस अवसर पर प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय ने शिक्षार्थियों के हित में इस पहल की सराहना करते हुए डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा देने में पंजाब नेशनल बैंक की भूमिका की प्रशंसा की। पंजाब नेशनल बैंक की शाखा प्रबंधक श्रीमती बबीता कांडपाल ने विश्वविद्यालय के साथ भविष्य में भी सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा बैंक की ओर से सामुदायिक रेडियो "हैलो हल्द्वानी" को उसकी कार्यक्षमता बढ़ाने हेतु सैमसंग गैलेक्सी S25 स्मार्टफोन भेंट किया। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव खेमराज भट्ट ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए इस सहयोग को शिक्षार्थियों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

शैक्षणिक भ्रमण से जैव प्रौद्योगिकी की आधुनिक तकनीकों से रूबरू हुए शिक्षार्थी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान तृतीय सेमेस्टर की सात दिवसीय कार्यशाला के अंतर्गत शिक्षार्थियों का उत्तराखण्ड काउंसिल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, पंतनगर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। विश्वविद्यालय की भौमिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी.डी. पंत ने शैक्षणिक भ्रमण को प्रयोगात्मक शिक्षण का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि इससे शिक्षार्थियों के व्यवहारिक ज्ञान में वृद्धि होती है। विभागीय समन्वयक डॉ. एच.सी. जोशी ने बताया कि भ्रमण का उद्देश्य शिक्षार्थियों को पर्यावरण विज्ञान में जैव प्रौद्योगिकी के विविध अनुप्रयोगों से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान शिक्षार्थियों ने पादप ऊतक संवर्धन, आणविक जीवविज्ञान एवं जेनेटिक इंजीनियरिंग, जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं तथा हाइड्रोपोनिक्स पॉलीहाउस का अवलोकन किया। संस्थान के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने पर्यावरणीय प्रभाव आकलन, टिशू कल्चर, आनुवंशिक सुधार, लुप्तप्राय पौधों के संरक्षण, रोग प्रतिरोधी किस्मों के विकास तथा उन्नत जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों से संबंधित शोध कार्यों की जानकारी दी। डॉ. सुमित पुरोहित एवं डॉ. मणीन्द्र मोहन के मार्गदर्शन में शिक्षार्थियों ने नवीनतम जैव प्रौद्योगिकी तकनीकों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. प्रीति पंत, डॉ. खष्टी डसीला तथा संस्थान के प्रयोगशाला सहायक ललित मिश्रा, अमन प्रताप सिंह एवं शैलजा आर्या उपस्थित रहे। भ्रमण के समापन पर डॉ. प्रीति पंत ने संस्थान के निदेशक प्रो. संजय कुमार सहित समस्त अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया।

उच्च शिक्षा से जुड़ेंगे कैदी, सितारगंज कारागार में खुला विशेष अध्ययन केंद्र

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए केंद्रीय कारागार, सितारगंज में कैदियों के लिए विशेष अध्ययन केंद्र की स्थापना की। विश्वविद्यालय एवं कारागार प्रशासन के मध्य हुए अनुबंध के तहत स्थापित इस केंद्र के माध्यम से कैदियों को विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रवेश प्रदान किया जाएगा, जिससे वे कारागार में रहते हुए भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही विश्वविद्यालय ने कारागार पुस्तकालय के लिए विभिन्न विषयों की लगभग 280 पुस्तकें भी भेंट कीं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रदेश के सुदूर एवं वंचित वर्गों तक उच्च शिक्षा पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और यह पहल कैदियों के पुनर्वास तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय ने मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए इस पहल को शिक्षा की सर्वसुलभता का सशक्त उदाहरण बताया। प्रो. एम.एम. जोशी ने विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी, जबकि कुलसचिव खेमराज भट्ट ने विश्वविद्यालय की समावेशी शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। केंद्रीय कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक अनुराग मलिक ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे कैदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला प्रयास बताया।कार्यक्रम का संचालन सहायक क्षेत्रीय निदेशक रेखा बिष्ट ने

किया। इस अवसर पर कुलसचिव खेमराज भट्ट, उपनिदेशक प्रो. एम.एम. जोशी, विश्वविद्यालय एवं कारागार प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कैदियों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने को लेकर विशेष उत्साह एवं आशा का वातावरण देखने को मिला।

कौशल विकास कार्यशाला से रोजगार और उद्यमिता को मिला नया आयाम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के पर्यटन, आतिथ्य एवं होटल प्रबंधन विद्यालय द्वारा कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA), नई दिल्ली के सहयोग से "हॉस्पिटैलिटी, उद्यमिता एवं रोजगारपरकता" विषय पर एक दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला एनसीवीईटी (NCVET) द्वारा अनुमोदित "असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर (NSQF Level-5)" योग्यता पैक के अनुरूप आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीआईक्यूए के निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने की, जबकि कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी कार्यक्रम के संरक्षक रहे।

कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को असिस्टेंट होमस्टे मैनेजर पाठ्यक्रम की उपयोगिता, कौशल आधारित रोजगार एवं स्वरोजगार की संभावनाओं तथा पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र में उभरते अवसरों से परिचित कराना था। आईएचएम, देहरादून के प्रधानाचार्य डॉ. शिव मोहन तथा जी.बी. पंत इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, हल्द्वानी के निदेशक डॉ. आदर्श पंत ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में होमस्टे प्रबंधन, उद्यमिता, कौशल विकास एवं उद्योग की वर्तमान आवश्यकताओं पर विस्तृत जानकारी साझा की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डे ने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं कुलगीत से हुआ। डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा अंत में प्रो. पी.डी. पंत ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रो. एम.एम. जोशी, प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट, प्रो. पी.डी. पंत, डॉ. अखिलेश सिंह, डॉ. विशाल कुमार शर्मा, डॉ. आशीष टम्टा, डॉ. गोपाल दत्त, डॉ. सुधीर नौटियाल, डॉ. विवेक ममगाई, सुश्री प्रिया बोरा, सुश्री रिया गिरी सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में शिक्षार्थी उपस्थित रहे।

शैक्षणिक सहयोग से शिक्षा और शोध को मिलेगा नया आयाम

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), भोपाल के मध्य शिक्षा, शोध एवं नवाचार को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। यह समझौता रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. संतोष चौबे, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नवीन चन्द्र लोहनी तथा आरएनटीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) रवि प्रकाश दुबे की गरिमामयी उपस्थिति में दोनों विश्वविद्यालयों के अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। इस अवसर पर आरएनटीयू की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी भी उपस्थित रहीं। एमओयू के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध एवं नवाचार, संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्र एवं संकाय आदान-प्रदान, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा पाठ्यक्रम विकास के क्षेत्र में परस्पर सहयोग करेंगे। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि यह साझेदारी ज्ञान, अनुभव एवं संसाधनों के आदान-प्रदान को सशक्त बनाते हुए शिक्षार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के लिए नए अवसर सृजित करेगी। वहीं, प्रो. रवि प्रकाश दुबे ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग दोनों संस्थानों की शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्षमता को नई दिशा प्रदान करेगा तथा नवाचार एवं उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण को बढ़ावा देगा।

इस अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. संतोष चौबे को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने इस शैक्षणिक साझेदारी का स्वागत करते हुए इसे ज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं परिणामोन्मुखी सहयोग की महत्वपूर्ण पहल बताया।

हरेला महोत्सव : हरित उत्तराखण्ड का सामूहिक संकल्प

लगभग 500 पौधों का रोपण, फलोद्यान, मियावाकी वन एवं पौधालय की स्थापना

उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक परम्परा, प्रकृति संरक्षण एवं हरित विकास के प्रतीक हरेला महोत्सव के अवसर पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में 14 से 18 जुलाई, 2026 तक पाँच दिवसीय वृहद वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान का सफल आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस अभियान के अंतर्गत परिसर में लगभग 500 फलदार, औषधीय, छायादार, पुष्पीय एवं स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही फलोद्यान (Fruit Orchard), मियावाकी पद्धति पर आधारित मिश्रित वन (Miyawaki Forest) तथा विश्वविद्यालय पौधालय (Nursery) की स्थापना जैसी दीर्घकालिक पर्यावरणीय पहलों का शुभारम्भ किया गया, जिससे विश्वविद्यालय परिसर को जैव-विविधता सम्पन्न, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि हरेला केवल एक पारम्परिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारियों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास एवं जन-जागरूकता के प्रति भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं शिक्षार्थियों से केवल पौधारोपण करने का ही नहीं, बल्कि प्रत्येक पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने प्रदेशवासियों से अधिकाधिक वृक्षारोपण कर हरेला को जन-आन्दोलन बनाने की अपील की।

पाँच दिवसीय अभियान का शुभारम्भ प्रथम दिवस पर माननीय सांसद श्री अजय भट्ट द्वारा पौधारोपण के साथ हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित किए जा रहे फलोद्यान के लिए विभिन्न फलदार पौधों का रोपण करते हुए कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान व्यापक जनभागीदारी से ही सम्भव है तथा प्रत्येक नागरिक को वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण को अपने सामाजिक दायित्व के रूप में स्वीकार करना चाहिए।

द्वितीय दिवस के मुख्य अतिथि कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण करते हुए कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक चेतना एवं पर्यावरणीय संवेदनशीलता का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में पर्यावरणीय उत्तरदायित्व एवं सतत विकास की संस्कृति विकसित करना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित इस अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज एवं विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने वाला अनुकरणीय प्रयास बताया।

तृतीय दिवस पर सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा के कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट की उपस्थिति में विश्वविद्यालय परिसर में मियावाकी पद्धति से वन स्थापना के उद्देश्य से विशेष पौधारोपण अभियान संचालित किया गया। इस अवसर पर आँवला, तिमिल, सहजन, तेजपात, रीठा सहित विभिन्न स्थानीय एवं बहुउपयोगी प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। प्रो. बिष्ट ने कहा कि मानसून का समय वैज्ञानिक दृष्टि से वन स्थापना के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होता है तथा स्थानीय प्रजातियों पर आधारित मियावाकी तकनीक कम समय में सघन एवं समृद्ध वन विकसित करने की प्रभावी पद्धति है। उन्होंने विश्वविद्यालय की इस अभिनव पहल को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय प्रयास बताया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के समन्वयक डॉ. एच. सी. जोशी ने बताया कि पूरे सप्ताह विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं, विभागों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों एवं शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए परिसर के विभिन्न स्थलों पर पौधारोपण किया। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण तक सीमित न होकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता, जैव-विविधता संवर्धन, कार्बन अवशोषण तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए हरित एवं स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना है। उन्होंने यह भी बताया कि अभियान के लिए पर्यावरणविद् डॉ. आशुतोष पंत द्वारा निःशुल्क पौधे उपलब्ध कराए गए, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके सतत समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है।

हरेला महोत्सव का भव्य समापन पांचवां दिवस क्षेत्रीय विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट के मुख्य आतिथ्य तथा जिलाधिकारी नैनीताल श्री ललित मोहन रयाल की विशिष्ट उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पौधालय (Nursery) का लोकार्पण किया गया, जो भविष्य में गुणवत्तापूर्ण पौध सामग्री उपलब्ध कराने, पौध संरक्षण तथा पर्यावरणीय शिक्षा के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका ‘उड़ान’ के नवीन अंक का भी विधिवत विमोचन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक पहचान के साथ-साथ प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण का जन-आन्दोलन है तथा प्रत्येक नागरिक को प्रतिवर्ष कम-से-कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी श्री ललित मोहन रयाल ने कहा कि वृक्षारोपण तभी सार्थक होगा जब पौधों का नियमित संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित पौधालय की सराहना करते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।

पाँच दिवसीय हरेला महोत्सव के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास एवं जैव-विविधता संवर्धन को केन्द्र में रखकर संचालित इस व्यापक अभियान में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी, शिक्षार्थी तथा बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमियों ने सक्रिय सहभागिता की। सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से "एक पौधा–एक जिम्मेदारी" का संकल्प लेते हुए पौधों के संरक्षण एवं हरित उत्तराखण्ड के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

यह पाँच दिवसीय अभियान उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा हरित परिसर निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण सिद्ध हुआ। वृक्षारोपण, फलोद्यान, मियावाकी वन एवं पौधालय की स्थापना जैसी दीर्घकालिक पहलों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने न केवल परिसर में हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है, बल्कि शिक्षार्थियों एवं समाज के लिए प्रकृति संरक्षण का एक जीवंत शिक्षण एवं प्रेरणा केन्द्र विकसित करने की दिशा में भी एक नई पहल की है।

यूओयू में महिला आयोग की भूमिका, चुनौतियां एवं संभावना पर कार्यशाला आयोजित

महिला सशक्तिकरण, लैंगिक समानता एवं महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र एवं समाजशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 17 जुलाई 2026 को "महिला आयोग : भूमिका, चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन में प्रो. पी. डी. पंत, निदेशक (अकादमिक), ने महिला सशक्तिकरण को समावेशी एवं न्यायपूर्ण समाज की आधारशिला बताते हुए ऐसे विषयों पर निरंतर संवाद की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. रेनू प्रकाश, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन केंद्र, ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में महिला आयोग की भूमिका और अधिक व्यापक एवं प्रभावी हुई है।

मुख्य वक्ता डॉ. पलक मित्तल, राष्ट्रीय महिला आयोग, ने महिला आयोग की संवैधानिक एवं वैधानिक भूमिका, महिलाओं के अधिकारों, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न, बाल विवाह तथा महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों एवं संस्थागत व्यवस्थाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा उपलब्ध कानूनी व्यवस्थाओं का प्रभावी उपयोग करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि श्रीमती कुसुम कंडवाल, अध्यक्ष, उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग, ने कहा कि आयोग पिछले 23 वर्षों से महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं न्याय सुनिश्चित करने के लिए कार्यरत है। उन्होंने ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों की महिलाओं तक जागरूकता और सहायता पहुँचाने के लिए शिक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता तथा संस्थागत सहयोग को आवश्यक बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि महिला सशक्तिकरण पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है तथा उच्च शिक्षण संस्थानों को ज्ञान के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने महिला अध्ययन, लैंगिक समानता एवं महिला अधिकारों से जुड़े विषयों पर अनुसंधान एवं जन-जागरूकता गतिविधियों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नागेन्द्र गंगोला ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण, निदेशक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी तथा उत्तराखण्ड राज्य महिला आयोग के अधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

यूओयू के दो शिक्षकों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार के लिए डिज़ाइन पेटेंट

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी ने शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं आईटी विभाग के सहायक निदेशक अनुराग भट्ट तथा स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट को उनके अभिनव नवाचार "कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हृदय रोग जोखिम दृश्यांकन एवं विश्लेषण प्रणाली" के लिए भारत सरकार द्वारा डिज़ाइन पेटेंट प्रदान किया गया है। यह पेटेंट डिज़ाइन्स एक्ट, 2000 एवं डिज़ाइन्स नियम, 2001 के अंतर्गत पंजीकृत किया गया है।

यह पेटेंट डिज़ाइन संख्या 498410-001 के अंतर्गत 13 अप्रैल 2026 को श्रेणी 24-01 में पंजीकृत किया गया, जिसकी प्रमाणन तिथि 11 जून 2026 है। विकसित प्रणाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उन्नत डेटा दृश्यांकन तकनीकों के माध्यम से हृदय रोग से संबंधित जोखिमों का वैज्ञानिक विश्लेषण तथा स्पष्ट दृश्य प्रस्तुतीकरण उपलब्ध कराती है। विशेषज्ञों के अनुसार यह नवाचार डिजिटल हेल्थकेयर, चिकित्सा अनुसंधान तथा एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, पत्रकारिता एवं मीडिया अध्ययन विभाग के निदेशक प्रो. राकेश रयाल, प्रो. जीतेंद्र पाण्डे, कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट तथा विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने अनुराग भट्ट एवं प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय की शोध एवं नवाचार परंपरा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के अनुसंधान भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में सार्थक योगदान देंगे।

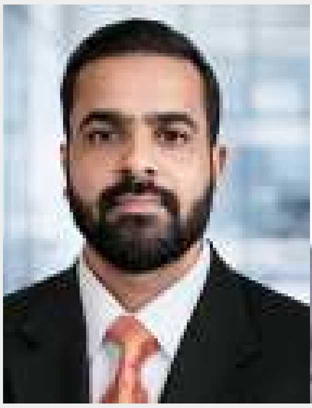

यूओयू की ग्रीष्मकालीन परीक्षाएँ प्रारम्भ, 59 हजार से अधिक शिक्षार्थी होंगे सम्मिलित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की ग्रीष्मकालीन परीक्षाएँ 20 जुलाई 2026 से प्रारम्भ हो गई हैं, जो 27 अगस्त 2026 तक संचालित होंगी। इस वर्ष कुल 59,801 शिक्षार्थी परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं, जिनमें 40,903 मुख्य परीक्षा, 18,700 बैक परीक्षा तथा 198 सुधार (Improvement) परीक्षा के शिक्षार्थी शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदेशभर में 80 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 4 विशेष परीक्षा केन्द्र भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें 2 कारागार (जेल) परीक्षा केन्द्र एवं 2 सैन्य (आर्मी) परीक्षा केन्द्र शामिल हैं, ताकि सभी पात्र शिक्षार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर उपलब्ध कराया जा सके।

परीक्षाओं के सफल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन के लिए विश्वविद्यालय ने व्यापक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की हैं। इसी क्रम में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने देहरादून के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों की टीम ने रामनगर, काशीपुर, बाजपुर, हल्दूचौड़, सितारगंज एवं खटीमा स्थित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता का मूल्यांकन किया।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी परीक्षा केन्द्रों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि परीक्षाएँ शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं निष्पक्ष वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सकें।

यूओयू में गुणवत्ता, नवाचार एवं संस्थागत विकास पर CIQA की चतुर्थ बैठक आयोजित

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र (CIQA) की चतुर्थ बैठक कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक में गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रशासनिक दक्षता, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020), NAAC मानकों के अनुरूप संस्थागत विकास तथा आगामी कार्ययोजना से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक के दौरान कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी के एक वर्ष के सफल कार्यकाल (24 जुलाई 2025-24 जुलाई 2026) की उपलब्धियों पर आधारित विशेष वृत्तचित्र का प्रदर्शन किया गया तथा 'प्रगति, परिवर्तन और नई ऊँचाइयाँ' शीर्षक से विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या का लोकार्पण एवं प्रस्तुतीकरण किया गया। साथ ही बीते एक वर्ष में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय प्रिंट मीडिया में प्राप्त व्यापक स्थान का भी प्रदर्शन किया गया।

गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, शोध एवं CIQA, ने विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए गुणवत्ता आश्वासन एवं आगामी NAAC मूल्यांकन में सभी हितधारकों की सक्रिय सहभागिता पर बल दिया। वहीं प्रो. गगन सिंह, अतिरिक्त निदेशक, CIQA, ने गत एक वर्ष में गुणवत्ता सुधार, शिक्षक विकास, संस्थागत नीतियों एवं प्रक्रियाओं के क्रियान्वयन तथा विश्वविद्यालय की प्रमुख उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। विशेष सत्र में इग्नू, नई दिल्ली के CIQA निदेशक प्रो. विजय कुमार तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के पूर्व प्रति-कुलपति प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता ने गुणवत्ता आश्वासन, संस्थागत विकास, डिजिटल शिक्षा, शोध, नवाचार तथा NAAC मूल्यांकन से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। विशेषज्ञों ने विश्वविद्यालय द्वारा गुणवत्ता सुधार, MOOCs के शुभारम्भ तथा संस्थागत विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।

बैठक में वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना की समीक्षा तथा 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना, AQAR एवं NAAC के नवीन दिशा-निर्देश, आईटी अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण, परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रणाली के आधुनिकीकरण, शोध गतिविधियों के विस्तार तथा विभिन्न विश्वविद्यालयी नीतियों के पुनरावलोकन पर भी विचार-विमर्श किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि बीते एक वर्ष की उपलब्धियाँ विश्वविद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, अध्ययन केन्द्रों एवं शिक्षार्थियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम हैं। उन्होंने आगामी वर्षों में गुणवत्ता आश्वासन, डिजिटल परिवर्तन, शोध एवं नवाचार, कौशल विकास, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा छात्र सहायता सेवाओं के विस्तार को विश्वविद्यालय की प्रमुख प्राथमिकताएँ बताते हुए सभी हितधारकों से इसी समर्पण के साथ संस्थागत विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया।

वृक्षारोपण से ज्ञान तक : यूओयू में औषधीय जड़ी-बूटियों पर आधारित पुस्तक का विमोचन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में आयोजित वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण और ज्ञान संवर्धन का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, योजना बोर्ड के सदस्य प्रो. प्रदीप कुमार जोशी, मुख्य वन संरक्षक (कुमाऊँ) डॉ. तेजस्विनी अरविन्द पाटिल (आईएफएस) तथा डॉ. बी. एस. कालाकोटी ने संयुक्त रूप से पौधारोपण कर हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा समाज से अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं पौधों के संरक्षण का आह्वान किया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. बी. एस. कालाकोटी एवं डॉ. गरिमा मटेला द्वारा लिखित पुस्तक "Glossary of Commercial Medicinal Herbs of Uttarakhand" का विमोचन भी किया गया। पुस्तक के सह-लेखक डॉ. कालाकोटी ने बताया कि इसमें उत्तराखण्ड की व्यावसायिक एवं औषधीय महत्व की जड़ी-बूटियों का प्रामाणिक एवं उपयोगी संकलन किया गया है, जो शोधार्थियों, शिक्षार्थियों, कृषकों, उद्यमियों तथा औषधीय पादपों के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ सिद्ध होगा।

विशिष्ट अतिथि डॉ. तेजस्विनी अरविन्द पाटिल ने जैव विविधता संरक्षण में वृक्षारोपण के साथ पौधों के संरक्षण एवं वैज्ञानिक प्रलेखन की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार जोशी ने पुस्तक को उत्तराखण्ड की समृद्ध औषधीय वनस्पति विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास बताते हुए इसके हिन्दी संस्करण के प्रकाशन का सुझाव दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण,जैव विविधता संवर्धन तथा पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने पुस्तक के प्रकाशन को विश्वविद्यालय एवं राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए इसके लेखकों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्रो. ललित तिवारी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गरिमा मटेला ने किया। विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

यूओयू की 36वीं विद्यापरिषद की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण शैक्षणिक प्रस्तावों को मिली मंजूरी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की 36वीं विद्यापरिषद की बैठक कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में हाइब्रिड मोड में सम्पन्न हुई। बैठक में बाह्य विशेषज्ञ सदस्यों ने ऑनलाइन तथा विश्वविद्यालय के आंतरिक सदस्यों ने प्रत्यक्ष रूप से सहभागिता की। कुलसचिव एवं सदस्य सचिव डॉ. खेमराज भट्ट द्वारा प्रस्तुत कार्यसूची के सभी 19 प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद उन्हें सर्वसम्मति से अनुमोदित एवं संस्तुत किया गया।

बैठक में 35वीं विद्यापरिषद की कार्यवाही एवं अनुपालन रिपोर्ट का अनुमोदन किया गया। साथ ही यूजीसी-डीईबी से प्राप्त मान्यता के आधार पर बी.एड. (ओडीएल) एवं बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फॉर्मेशन साइंस कार्यक्रमों के संचालन, नेपाली विद्यार्थियों के प्रवेश हेतु मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी), शोधार्थियों के अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में सहभागिता के लिए प्रायोजन नीति तथा पीएच.डी. प्रवेश व्यवस्था से संबंधित प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई।

परिषद् ने 'स्वामी विवेकानन्द उत्तराखण्ड ई-पुस्तकालय योजना', शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पुरानी अध्ययन सामग्री के निःशुल्क वितरण, दीक्षांत समारोह से पूर्व उपाधि प्रदान करने की व्यवस्था, कृषि एवं उद्यानिकी विषयों के संचालन तथा रसायन विज्ञान एवं गणित विभाग के शोधार्थियों की पीएच.डी. मौखिक परीक्षाओं की आख्या को भी अनुमोदित किया। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों पर एनसीवीईटी (NCVET) से मान्यता प्राप्त कार्यक्रमों के संचालन की नियमावली, सीआईक्यूए (CIQA) की संस्तुतियों, विभिन्न विद्याशाखाओं के बोर्ड ऑफ स्टडीज़ की अनुशंसाओं, परीक्षा परिणामों में प्राप्त भिन्नताओं से संबंधित विषयों तथा शिक्षार्थियों के हित में दूरदर्शन उत्तराखण्ड पर प्रतिदिन 30 मिनट का समय स्लॉट उपलब्ध कराने के प्रस्तावों को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में प्रो. एच.सी. पोखरियाल, प्रो. पी.एस. बिष्ट, डॉ. मनु प्रताप सिंह तथा डॉ. एच.सी. पुरोहित सहित बाह्य विशेषज्ञों ने ऑनलाइन सहभागिता की। विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, संकाय सदस्य एवं आमंत्रित सदस्य भी बैठक में उपस्थित रहे।

उत्तराखंड मुक्त विवि में आज से प्रवेश

मिशन एडमिशन

हल्द्वानी, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में जुलाई सत्र 2026 की प्रवेश प्रक्रिया एक जुलाई से शुरू होने जा रही है। प्रवेश की अंतिम तिथि 10 अगस्त तय की गई है। नए सत्र में विश्वविद्यालय छात्रों को कई बड़ी राहत देने जा रहा है। जिसमें सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में अब एक-मुश्त फीस देने के बजाय सेमेस्टरवार शुल्क जमा करने की सुविधा शामिल है। छात्र https://uou.ac.in/ पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मंगलवार को विश्वविद्यालय के अतिथि गृह सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने बताया कि विश्वविद्यालय वर्तमान में 15 स्नातक, 35 स्नातकोत्तर, 16 डिप्लोमा तथा 29 प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों में प्रवेश दे रहा है।

छात्रों को मिलेगी राहत

- ट्रांसजेंडर शिक्षार्थियों के लिए पूरा कोर्स शुल्क माफ रहेगा।
- जो छात्र प्रिंटेड किताबों के बजाय डिजिटल सामग्री का विकल्प चुनेंगे, उन्हें कुल फीस में 15 फीसदी की छूट मिलेगी।
- बीएससी और एमएससी के प्रैक्टिकल विषयों में कार्यशाला शुल्क पर 30 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।
- नए सत्र में प्रवेश के लिए प्रत्येक छात्र को डीईबी आईडी और एबीसीआईडी बनाना अनिवार्य होगा।
- सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रमों में अब एक साथ भारी-भरकम फीस नहीं देनी होगी, छात्र इसे दो किस्तों में दे सकेंगे।
- विद्यार्थियों के सीखने और समझने की क्षमता का मूल्यांकन अब वैज्ञानिक पद्धति 'ब्लूम्स टैक्सोनॉमी' के आधार पर होगा।
- प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए होगी प्रवेश परीक्षा।

यूओयू में नए सत्र से शुरू होंगे भगवद्गीता और मानवाधिकार प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

उत्तराखंड मुक्त विवि में शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए आज से शुरू होंगे प्रवेश, छात्रहित में शुरू की गई सुविधाओं की जानकारी दी

यूओयू में असिस्टेंट होम स्टे मैनेजर पाठ्यक्रम शुरू

नहीं पड़ेगा आर्थिक बोझ

यूओयू में आज से शुरू होगी प्रवेश की प्रक्रिया

यूओयू: बीएड और एमएड में प्रवेश शुरू

हल्द्वानी। यूओयू में नए सत्र के लिए दाखिले शुरू हो गए हैं। बीएड-एमएड स्पेशल, एमबीए और एमसीए जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा के जरिए दाखिला होगा।

प्रवेश प्रभारी सुमित प्रसाद ने बताया कि इन कोर्सेज के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। सीटों के तहत बीएड स्पेशल में 500, एमएड स्पेशल में 30, एमबीए में 1000 और एमसीए में 1000 सीटें तय हैं। इसके अलावा 95 सामान्य पाठ्यक्रमों में छात्र 10 अगस्त तक सीधा प्रवेश ले सकते हैं। जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।

यूओयू में नेपाल के नागरिक भी ले सकेंगे दाखिला, यूजीसी से मंजूरी

मिशन एडमिशन

खेल विवि में एक सितंबर से शुरू होंगी कक्षाएं

इन कोर्सों में होंगे प्रवेश

जल्द बनेगा स्टूडियो

यूओयू में हरेला पर पांच दिवसीय पौधरोपण अभियान शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपरा, प्रकृति संरक्षण और हरित विकास के प्रतीक 'हरेला महोत्सव' के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय पौधरोपण अभियान का सांसद अजय भट्ट ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर शुरुआत की। कुलपति प्रो. नवीन चंद लोहनी ने कहा कि हरेला हमारी सांस्कृतिक विरासत और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का प्रतीक है। यहां संयोजक और वानिकी विभाग के समन्वयक डॉ. एचसी जोशी आदि रहे।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में हरेला महोत्सव का भव्य समापन

वृहद वृक्षारोपण अभियान, पौधालय का लोकार्पण एवं उड़ान पत्रिका का विमोचन

हरेला पर्यावरण और संस्कृति से जुड़ने का जन आंदोलन : डा. बिष्ट

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में हरेला महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक डा. मोहन सिंह बिष्ट, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल और कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही, नर्सरी का लोकार्पण भी किया गया और त्रैमासिक पत्रिका उड़ान का विमोचन किया गया। विधायक डा. बिष्ट ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह प्रकृति, पर्यावरण और उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का जन आंदोलन है। जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कहा कि यह तभी सार्थक होगा जब पौधों का नियमित संरक्षण किया जाए। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह शिक्षा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति भी समर्पित है। इस कार्यक्रम में प्रो. पीडी पंत, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. डिगर सिंह रहे।

कुलपति प्रो.रावत ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हल्द्वानी/कालाढूंगी/भीमताल। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को हरेला महोत्सव के तहत पौधरोपण किया गया। मुख्य अतिथि कुमाऊं विश्वविद्यालय के कुलपति दीवान सिंह रावत ने परिसर में पौधारोपण किया। यहां यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी आदि मौजूद रहे। कोटाबाग में पूर्व दायित्वधारी भाजपा नेता महेश शर्मा ने पौधरोपण कर लगभग 125 किसानों को फलदार पौधे वितरित किए। भीमताल की ग्राम पंचायत तल्ला डुंगरिल में बुधवार को हरेला पखवाड़ा में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण अभियान चलाया गया।

हरेला पर्व पर उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में पौधारोपण करते कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी • सौ. यूओयू

यूसीआरआरएफपी के तहत जलागम सचिव दिलीप जावलकर ने प्रधान पंकज उप्रेती और ग्रामीणों के साथ पौधरोपण किया। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य उमा देवी, डॉ. एसके उपाध्याय, उद्यान अधिकारी दीपक साह, कृषि विकास अधिकारी पूरन पाठक, अशोक कुमार, नरेश बिनवाल, उप प्रधान कैलाश पांडे आदि मौजूद रहे। संवाद

पौधालय का लोकार्पण एवं उड़ान पत्रिका का विमोचन

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में हरेला महोत्सव का भव्य समापन

• जनवाणी संवाददाता, हल्द्वानी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में 14 से 18 जुलाई तक आयोजित पांच दिवसीय हरेला महोत्सव का समापन शनिवार को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वृहद वृक्षारोपण अभियान के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल तथा कार्यक्रम अध्यक्ष एवं कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पौधालय (नर्सरी) का लोकार्पण किया गया। इसी अवसर पर विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका 'उड़ान' के नवीन अंक का भी विधिवत विमोचन किया गया। समारोह के दौरान अतिथियों ने पौधालय का अवलोकन करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। हरेला सप्ताह के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थलों पर फलदार, छायादार, औषधीय एवं स्थानीय प्रजातियों के पौधे लगाए गए, जिससे परिसर को हरित, जैव-विविधता सम्पन्न एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित पौधालय भविष्य में पौध संरक्षण, हरित परिसर के विस्तार तथा विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता विकसित करने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मुख्य अतिथि डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का जनआंदोलन है।

हरेला पर्व

प्रकृति के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है हरेला पर्व : प्रो. दीवान सिंह रावत

विज्ञप्ति, हल्द्वानी : यूओयू में हरेला महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। बुधवार को कुवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत मुख्य अतिथि शामिल हुए। प्रो. रावत ने यूओयू परिसर में पौध रोपित किए। कहा कि हरेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा पर्यावरण संरक्षण का जीवंत प्रतीक है। मौके पर यूओयू के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, डा. एचसी जोशी, प्रो. पीडी पंत, प्रो. गिरिजा पांडे, डा. आशुतोष रहे।

यूओयू में पौधरोपण करते कुवि के कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत • सौ. यूओयू

यूओयू में हरेला महोत्सव सम्पन्न

पौधालय का लोकार्पण और 'उड़ान' पत्रिका का हुआ विमोचन

अनुबंध: अब जेल में भी कैदियों को उच्च शिक्षा दिलाएगा यूओयू

यूओयू ने केंद्रीय कारागार सितारगंज के साथ अनुबंध कर जेल परिसर में खोला अध्ययन केंद्र।

हल्द्वानी, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के हल्द्वानी क्षेत्रीय केंद्र ने कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें उच्च शिक्षा देने के लिए केंद्रीय कारागार सितारगंज के साथ अनुबंध कर जेल परिसर में अध्ययन केंद्र खोल दिया है।

इसके तहत जेल में बंद कैदियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। वे सजा काटने के साथ-साथ अपनी पढ़ाई भी जारी रख सकेंगे। अध्ययन केंद्र के उद्घाटन अवसर पर कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का मूल उद्देश्य हर सुदूर और वंचित क्षेत्रों तक पहुंचना है। शिक्षा से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे, इसी उद्देश्य के साथ अब जेल में बंद कैदियों तक उच्च शिक्षा पहुंचाई जा रही है। पढ़ाई से कैदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा और वे रिहा होने के बाद एक बेहतर नागरिक बनकर अपने जीवन को नई दिशा दे सकेंगे। सहायक क्षेत्रीय निदेशक रेखा बिष्ट ने बताया कि इस विशेष केंद्र के माध्यम से बंदियों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है। इस मौके पर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कारागार की पुस्तकालय के लिए विभिन्न विषयों की लगभग 280 पुस्तकें भी भेंट की गईं। कारागार के वरिष्ठ अधीक्षक अनुराग मलिक, निदेशक क्षेत्रीय सेवाएं प्रो. गिरिजा पाण्डे, उपनिदेशक प्रो. एमएम जोशी, कुलसचिव डॉ. खेमराज भट्ट आदि मौजूद रहे।

सितारगंज जेल में यूओयू का अध्ययन केंद्र शुरू

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने केंद्रीय कारागार सितारगंज में विशेष अध्ययन केंद्र स्थापित किया है। अब जेल में बंद कैदी भी विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर सकेंगे।

इस अवसर पर निदेशक क्षेत्रीय सेवाएं प्रो. गिरिजा पांडे ने कहा कि यूओयू प्रदेश के सुदूर और वंचित क्षेत्रों तक शिक्षा पहुंचाने को प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से अब जेल में बंद कैदियों तक भी उच्च शिक्षा पहुंचाई जा रही है। इससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा और वे बाहर आकर समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकेंगे।

वरिष्ठ अधीक्षक अनुराग मलिक ने कहा कि शिक्षा हर व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। उपेक्षित वर्ग तक इसे पहुंचाना बड़ी चुनौती है जिसे यूओयू ने पूरा किया है। वहां कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी, प्रो. एमएम जोशी, डॉ. खेमराज भट्ट, रेखा बिष्ट आदि मौजूद थे। संवाद

स्वच्छ ऊर्जा से ही सुरक्षित होगा भविष्य : डॉ. सारस्वत

हल्द्वानी। ऊर्जा सुरक्षा और हरित भविष्य के लिए स्वच्छ ऊर्जा अपनाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। यह बात पीएम-एसटीआईएसी के सदस्य, पूर्व डीआरडीओ महानिदेशक और पद्मभूषण डॉ. विजय कुमार सारस्वत ने कही।

वह मंगलवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से स्वच्छ ऊर्जा के साथ ऊर्जा सुरक्षा: हरित भविष्य की नई दिशा विषय पर आयोजित विशेष व्याख्यान में बोल रहे थे।

डॉ. सारस्वत ने विवि के ऊर्जा संरक्षण और ग्रीन कैंपस के प्रयासों की सराहना की। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि विवि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा दक्षता के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. सारस्वत ने परिसर में पौधरोपण भी किया। यहां डॉ. सुचित्रा अवस्थी, प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे, प्रो. पीडी पंत, कुलसचिव खेमराज भट्ट, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार आदि मौजूद रहे।

स्वच्छ ऊर्जा अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता

पूर्व डीआरडीओ महानिदेशक डा. सारस्वत ने यूओयू में दिया व्याख्यान

कहा, जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए गंभीर चुनौती

ऊर्जा सुरक्षा ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता: डॉ. सारस्वत

हल्द्वानी, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस की ओर से हरित भविष्य की नई दिशा विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ।

मुख्य वक्ता भारत सरकार के पीएम एसटीआईएसी के सदस्य, डीआरडीओ के पूर्व महानिदेशक, नीति आयोग के पूर्व सदस्य और पद्मश्री व पद्मभूषण से सम्मानित वैज्ञानिक डॉ. विजय कुमार सारस्वत रहे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए ऊर्जा उत्पादन और उपभोग में बढ़ोतरी जरूरी है, लेकिन यह विकास पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के साथ संतुलित होना चाहिए। भारत जैसे विकासशील देश के लिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन पर निर्भरता बढ़ाना अनिवार्य है। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, सीआईक्यूए के निदेशक प्रो. गिरिजा प्रसाद पांडे, प्रो.पीडी पंत, खेमराज भट्ट, प्रो.सोमेश कुमार रहे।

यूओयू की बैठक में संस्थागत विकास पर मंथन

विभिन्न स्तरों पर गुणवत्ता सुधार की दिशा में प्रभावी कदम उठाने पर जोर

अमर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र (सीआईक्यूए) की चतुर्थ बैठक शनिवार को कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विश्वविद्यालय की गुणवत्ता, शैक्षणिक उत्कृष्टता और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और नैक मानकों के अनुरूप संस्थागत विकास पर विस्तार से मंथन किया गया। आगामी नैक मूल्यांकन को देखते हुए विभिन्न स्तरों पर गुणवत्ता सुधार की दिशा में प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया गया।

अनुसंधान एवं सीआईक्यूए निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक की यात्रा और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। सीआईक्यूए के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने पिछले मूल्यांकन में सामने आई कमियों और उनके समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बीते एक वर्ष में शिक्षक विकास, गुणवत्ता संवर्धन और विभिन्न नीतियों के क्रियान्वयन की प्रगति भी रखी। बैठक में कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी के 24 जुलाई 2025 से 24 जुलाई 2026 तक के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित वृत्तचित्र दिखाया गया। इस दौरान प्रगति, परिवर्तन और नई ऊंचाइयां शीर्षक से तैयार प्रगति आख्या का लोकार्पण और प्रस्तुतीकरण भी किया गया। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय प्रिंट मीडिया में मिले स्थान को भी अभिलेखों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। विशेष सत्र में इग्नू नई दिल्ली के सीआईक्यूए निदेशक प्रो. विजय कुमार ने कहा कि गुणवत्ता आश्वासन किसी एक व्यक्ति या विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे संस्थान की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थी केंद्रित दृष्टिकोण, निरंतर सुधार और पारदर्शिता पर जोर दिया। उन्होंने ईकोटूरिज्म, स्वदेशी ज्ञान आधारित पाठ्यक्रम और एमओओसी जैसे नए कार्यक्रम शुरू करने का सुझाव दिया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और 12 एमओओसी कार्यक्रम शुरू किए जाने पर बधाई दी। बैठक में वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्य योजना की समीक्षा और वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित कार्ययोजना पर भी चर्चा हुई। संचालन डा. शशांक शुक्ला और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. गगन सिंह ने किया। इस दौरान प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. दिगर सिंह फर्स्वाण, प्रो. जितेन्द्र पांडे, डा. आशुतोष भट्ट सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक मौजूद थे।

यूओयू की सीआईक्यूए बैठक में गुणवत्ता सुधार पर मंथन

हल्द्वानी, (पंजाब केसरी): उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र (सीआईक्यूए) की चतुर्थ बैठक शनिवार को कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय मुख्यालय में हुई। बैठक में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, शोध एवं नवाचार, डिजिटल शिक्षा तथा एनईपी और एनएएसी मानकों के अनुरूप संस्थागत विकास पर चर्चा की गई। अनुसंधान एवं सीआईक्यूए निदेशक प्रो. गिरिजा पांडे ने विश्वविद्यालय की विकास यात्रा और उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कुलपति को एक वर्ष का कार्यकाल पूरा करने पर बधाई दी। उन्होंने आगामी एनएएसी मूल्यांकन में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और हितधारकों से सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। सीआईक्यूए के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने पिछले मूल्यांकन में सामने आई कमियों और उनके समाधान के लिए किए गए प्रयासों का ब्यौरा दिया। बैठक में कुलपति के 24 जुलाई 2025 से 24 जुलाई 2026 तक के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। विशेष सत्र में इग्नू नई दिल्ली के सीआईक्यूए निदेशक प्रो. विजय कुमार ने गुणवत्ता आश्वासन को पूरे संस्थान की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के पूर्व प्रति-कुलपति प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता ने गुणवत्तापूर्ण शोध, शोध अभिलेखों के बेहतर प्रबंधन, पूर्व छात्र सम्मेलनों और पुस्तकालय एवं आधारभूत ढांचे को मजबूत करने पर जोर दिया। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय की उपलब्धियां पूरे विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास का परिणाम हैं। बैठक में प्रो. सोमेश कुमार, प्रो. मंजरी अग्रवाल, प्रो. दिगर सिंह फर्स्वाण, प्रो. जीतेन्द्र पांडे, डॉ. आशुतोष भट्ट समेत अनेक प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे।

शिक्षार्थी केंद्रित दृष्टिकोण पर हो शिक्षण संस्थानों का ध्यान

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र की बैठक हुई। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय में गुणवत्ता संवर्धन, शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रशासनिक दक्षता, नई राष्ट्रीय शिक्षा और राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के मानकों के अनुरूप संस्थागत विकास से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई। कुलपति प्रो. लोहनी के एक वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियों को भी प्रस्तुत किया गया। इग्नू सिका निदेशक प्रो. विजय कुमार ने प्रो. लोहानी के कार्यों को सराहा। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता आश्वासन से मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थाओं में विद्यार्थी नामांकन एवं शैक्षणिक प्रदर्शन में भी सुधार होता है। यहां सीसीयू के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. मृदुल गुप्ता, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. गगन सिंह रहे।

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा की बड़ी पहल

नैनीताल, रविवार 19 जुलाई, 2026 — उत्तराखण्ड

पुलिस और विधिक सेवा तंत्र के बीच स्थापित होगा बेहतर समन्वय

गुणवत्ता के लिए जरूरी है आत्म मूल्यांकन : कुलपति

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में संस्थागत सुदृढ़ीकरण और भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने के लिए बुधवार को एसडब्ल्यूओसी की बैठक हुई। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की प्रगति के लिए समय-समय पर आत्म मूल्यांकन जरूरी है। निदेशक अकादमिक प्रो. पीडी पंत, वित्त नियंत्रक एसपी सिंह और परीक्षा नियंत्रक प्रो. सोमेश कुमार ने अपने अनुभागों की जानकारी दी। वहां प्रो. गगन सिंह, प्रो. जितेंद्र पांडेय आदि थे। संवाद

कार्यशाला | हल्द्वानी में महिला आयोग की राज्य स्तरीय कार्यशाला, सभी जिलों के अधिकारी जुटे

महिला सुरक्षा को तैयार होंगे मास्टर ट्रेनर्स

नैक मूल्यांकन की तैयारियों पर यूओयू में बनी रणनीति

हल्द्वानी, संवाददाता। उत्तराखंड मुक्त विवि के आंतरिक गुणवत्ता एवं आश्वासन केंद्र की चौथी बैठक कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नैक मूल्यांकन, एनईपी क्रियान्वयन और गुणवत्ता संवर्धन पर विस्तृत चर्चा की गई। अनुसंधान एवं सीआईक्यूए निदेशक प्रो. गिरिजा पाण्डे ने कुलपति को सफल एक वर्ष पूरा होने पर बधाई दी, वहीं सीआईक्यूए के अपर निदेशक प्रो. गगन सिंह ने गुणवत्ता सुधारों की जानकारी दी। विशेष सत्र में इग्नू के प्रो. विजय कुमार और सीसीएसयू के प्रो. मृदुल गुप्ता ने डिजिटल शिक्षा व शोध नवाचार पर विचार साझा किए।

यूओयू में शॉर्ट टर्म नौकरी के लिए वॉक इन इंटरव्यू 17 को

संवाद न्यूज एजेंसी

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के रेडियो और ईएमपीसी विभाग में शॉर्ट-टर्म नियोजन के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू होगा। इच्छुक अभ्यर्थी 17 जुलाई को विश्वविद्यालय पहुंचकर इंटरव्यू में भाग ले सकते हैं।

विश्वविद्यालय की ओर से जारी नोटिस के अनुसार इंटरव्यू 17 जुलाई को प्रातः 11:30 बजे से विवि परिसर में होगा। नियोजन अधिकतम छह माह के लिए अस्थायी आधार पर किया जाएगा। ईएमपीसी विभाग में कुल 3 पदों पर आवेदन मांगे गए हैं। इनमें जूनियर वीडियो एडिटर के लिए स्नातक और वीडियो एडिटिंग में डिप्लोमा या प्रमाणपत्र जरूरी है।

असिस्टेंट कैमरामैन के लिए स्नातक के साथ सिनेमेटोग्राफी या वीडियोग्राफी में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र, तीन वर्ष का अनुभव और जूनियर ग्राफिक आर्टिस्ट के लिए स्नातक के साथ फाइन आर्ट्स, ग्राफिक डिजाइन या एनीमेशन में डिप्लोमा/प्रमाणपत्र होना चाहिए। चयनित अभ्यर्थियों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट http://uou.ac.in/career से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को बड़ी राहत

- अब प्रवेश शुल्क पर नहीं देना होगा कोई अतिरिक्त भुगतान

यूओयू के छात्रों को राहत, प्रवेश शुल्क पर नहीं करना होगा अतिरिक्त भुगतान

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में बड़ी राहत मिली है। अब विवि में प्रवेश लेने पर छात्रों को निर्धारित प्रवेश शुल्क के अतिरिक्त कोई अतिरिक्त भुगतान शुल्क नहीं देना होगा। यह सुविधा यूओयू और पंजाब नेशनल बैंक रेलवे बाजार शाखा के प्रयासों से शुरू हुई है। यह जानकारी यूओयू में एक बैठक में दी गई।

सोमवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने विवि के अधिकारियों संग बैठक की। इसमें बताया कि पूर्व में आनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते समय विद्यार्थियों को मूल प्रवेश शुल्क के अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता था। ऐसे में पंजाब नेशनल बैंक ने अपने तकनीकी सहयोगी पे-यू के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया है। इसमें छात्रों को नया भुगतान गेटवे उपलब्ध कराया है। अब छात्र क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों से बिना अतिरिक्त शुल्क के प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। बताया गया कि नए भुगतान गेटवे से दो लाख रुपये से अधिक की प्रवेश शुल्क राशि संग्रहित है। प्रवेश प्रभारी डा. सुमित प्रसाद ने बताया कि ग्रीष्मकालीन प्रवेश सत्र में अब तक साढ़े नौ हजार से अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। आने वाले दिनों में विवि के परीक्षा संबंधी शुल्कों के आनलाइन भुगतान को पीएनबी भुगतान गेटवे से जोड़ा जाएगा। यहां कुलसचिव खेमराज भट्ट, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. गिरिजा पांडे, पीएनबी शाखा प्रबंधक बबीता कांडपाल आदि मौजूद रहे।

Hindi University and Uttarakhand Open University to Jointly Develop Model for Future of Education

MoU Signed to Strengthen Academic Collaboration

Staff Reporter

Prayagraj: In a significant step toward promoting quality, innovation, and digital learning in higher education in line with the National Education Policy (NEP) 2020, Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya (MGAHV) and Uttarakhand Open University entered into an important academic partnership. Under this Memorandum of Understanding (MoU), the two universities will collaborate in the areas of research, distance and open education, online courses, faculty and student exchange, joint academic activities, and curriculum development.

During the ceremony, the Vice-Chancellors of both universities exchanged the signed MoU documents. Prof. Kumud Sharma, Vice-Chancellor of Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, stated that this MoU is not merely a collaboration between two universities but a concrete initiative to translate the objectives of the National Education Policy into practice. She emphasized that both institutions will share their academic expertise, human resources, and intellectual assets to provide students with more qualitative and contemporary education. Innovative approaches will also be introduced in curricula to meet the evolving needs of the time.

She further noted that Hindi University has established a strong reputation in the fields of distance and open education, Hindi studies, translation studies, and technology-enabled teaching. This partnership will enable both universities to benefit from each other's expertise and provide new directions to education and research. Prof. Sharma highlighted that the university has also made remarkable contributions in the field of online education. Through this collaboration, faculty members and researchers from both institutions will jointly work on research projects, digital course development, and academic innovations. As a result, students will gain access to guidance from leading experts, shared learning resources, and high-quality educational opportunities.

कैंपस डायरी

यूओयू : प्रवेश शुल्क पर नहीं लगेगा अतिरिक्त चार्ज

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश में बड़ी राहत मिली है। अब प्रवेश के समय छात्रों को निर्धारित शुल्क के अलावा कोई कन्वीनियंस या पेमेंट चार्ज नहीं देना होगा। यह व्यवस्था विश्वविद्यालय और पंजाब नेशनल बैंक, रेलवे बाजार शाखा हल्द्वानी के सहयोग से शुरू हुई है। पहले ऑनलाइन शुल्क जमा करने पर छात्रों को अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता था। अब छात्र क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई से बिना अतिरिक्त शुल्क प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। नए गेटवे से अब तक दो लाख रुपये से अधिक शुल्क जमा हो चुका है। कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने कहा कि विश्वविद्यालय छात्रहित को प्राथमिकता देता है। प्रवेश प्रभारी डॉ. सुमित प्रसाद ने बताया कि ग्रीष्मकालीन सत्र में 9,500 से अधिक छात्रों ने प्रवेश लिया है। आगे परीक्षा शुल्क भी इसी गेटवे से जमा होगा। संवाद

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को बड़ी राहत, अब प्रवेश शुल्क पर नहीं देना होगा कोई अतिरिक्त भुगतान

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को बड़ी राहत, अब प्रवेश शुल्क पर नहीं देना होगा कोई अतिरिक्त भुगतान

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया में बड़ी राहत मिली है। अब विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय छात्रों को निर्धारित प्रवेश शुल्क के अतिरिक्त किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान शुल्क (कन्वीनियंस/पेमेंट चार्ज) नहीं देना होगा। यह सुविधा उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय एवं पंजाब नेशनल बैंक (रेलवे बाजार शाखा, हल्द्वानी) के संयुक्त प्रयासों से शुरू की गई है।

पहले ऑनलाइन प्रवेश शुल्क जमा करते समय विद्यार्थियों को मूल प्रवेश शुल्क के अतिरिक्त भुगतान करना पड़ता था, जिससे उन पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ता था। पंजाब नेशनल बैंक ने अपने तकनीकी सहयोगी PAYU के माध्यम से इस समस्या का सफल समाधान करते हुए नया भुगतान गेटवे उपलब्ध कराया है। अब छात्र क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई सहित विभिन्न डिजिटल माध्यमों से बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपना प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि नए भुगतान गेटवे के माध्यम से अब तक दो लाख रुपये से अधिक की प्रवेश शुल्क राशि सफलतापूर्वक संग्रहित की जा चुकी है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय सदैव छात्र हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। कार्यभार संभालने के बाद विद्यार्थियों से ऑनलाइन भुगतान के दौरान अतिरिक्त शुल्क लिए जाने की जानकारी मिली थी, जिसे हमने गंभीरता से लिया। पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से इस समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सका है। अब विद्यार्थियों को केवल निर्धारित प्रवेश शुल्क ही देना होगा। यह निर्णय विद्यार्थियों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ समाप्त करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय की पारदर्शी, सरल एवं छात्र-केंद्रित डिजिटल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाएगा। हमें विश्वास है कि भविष्य में भी विद्यार्थियों की सुविधा के लिए ऐसे नवाचार निरंतर किए जाते रहेंगे।

कुलपति ने इस सहयोग के लिए पंजाब नेशनल बैंक का आभार व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति बैंक द्वारा किए जा रहे विभिन्न कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) कार्यों की भी सराहना की। विश्वविद्यालय के प्रवेश प्रभारी डॉ. सुमित प्रसाद ने बताया कि वर्तमान ग्रीष्मकालीन प्रवेश सत्र में अब तक 9,500 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में विश्वविद्यालय की परीक्षा संबंधी विभिन्न शुल्कों के ऑनलाइन भुगतान को भी इसी पीएनबी भुगतान गेटवे से जोड़ा जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को और अधिक सुविधा प्राप्त होगी। विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. गिरिजा पाण्डेय ने पंजाब नेशनल बैंक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों पर अतिरिक्त भुगतान का बोझ समाप्त होना अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय डिजिटल इंडिया अभियान को सशक्त बनाने के साथ-साथ डिजिटल भुगतान प्रणाली में विद्यार्थियों का विश्वास भी बढ़ाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रति पंजाब नेशनल बैंक द्वारा किए जा रहे कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यों की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि बैंक विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो हैलो हल्द्वानी का उपयोग जनजागरूकता एवं वित्तीय साक्षरता से जुड़े कार्यक्रमों के प्रसारण के लिए भी कर सकता है।

मुख्यमंत्री जन के द्व

खैरना, गरमपानी (नैनीताल)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित 'सेवा, सुशासन एवं समर्पण - जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के अंतर्गत ...

मल्ली मिरई में लगाया पुस्तक मेला

द्वाराहाट। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने गोद लिए गांव मल्ली मिरई में पुस्तक मेला लगाया। विवि की विभिन्न व्यवसायिक एवं कौशल विकास से आधारित योजनाओं की जानकारी दी। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. रुचि आर्या ने विवि में नई शिक्षा नीति से चल रहे एमबीए, एमसीए, बीबीए, एमएसडब्ल्यू, बीएड आदि कोर्स के बारे में विस्तार से बताया। यहां प्रो. अरविंद भट्ट, प्रो. मनोज पांडे रहे।

वर्धा और उत्तराखंड मुक्त विवि के बीच शैक्षणिक समझौता

एमओयू

यूओयू के दो वैज्ञानिकों को मिला डिजाइन पेटेंट

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के दो वैज्ञानिकों को भारत सरकार की ओर से डिजाइन पेटेंट प्रदान किया गया है। यह पेटेंट कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहायक निदेशक अनुराग भट्ट और व्यावसायिक अध्ययन स्कूल के निदेशक आशुतोष कुमार भट्ट को कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हृदय रोग जोखिम दृश्यांकन एवं विश्लेषण प्रणाली के लिए दिया गया है। यह प्रणाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत डेटा दृश्यांकन के जरिये हृदय रोग के जोखिमों का वैज्ञानिक विश्लेषण करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह नवाचार डिजिटल स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान देगा। विश्वविद्यालय के कुलपति नवीन चंद्र लोहनी सहित पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने दोनों वैज्ञानिकों को बधाई दी। कुलपति लोहनी ने कहा कि यह शोध विश्वविद्यालय की नवाचार परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती देगा। संवाद

जागरण प्रश्न पहर

इंटर के प्रोफेशनल कोर्सों के चयन और करियर पर लें परामर्श

प्रो. आशुतोष भट्ट, प्रो. गगन सिंह

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : विश्वविद्यालयों में प्रवेश हो रहे हैं। विद्यार्थियों के सामने प्रोफेशनल कोर्सों के तमाम विकल्प मौजूद हैं, लेकिन रुचि व क्षमताओं के अनुसार पाठ्यक्रम चयन बेहद जरूरी है, जो छात्रों को बेहतर करियर और रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने में सहायक हो सकता है। साथ ही शोध अनुदान को लेकर भी छात्र-छात्राओं के कई प्रश्न होते हैं। जागरण प्रश्न पहर में जानकारी ले सकते हैं। यूओयू में कंप्यूटर विज्ञान के प्रो. आशुतोष भट्ट एवं मैनेजमेंट के प्राध्यापक प्रो. गगन सिंह परामर्श देंगे।

तिथि : आठ जुलाई, बुधवार

समय : सुबह 11 बजे से 12 बजे

संपर्क : 9997590101, 05946-235005

अनुराग और आशुतोष को मिला डिज़ाइन पेटेंट

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विवि के कंप्यूटर आईटी विभाग में सहायक निदेशक अनुराग भट्ट और स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज के निदेशक प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट को उनके नवाचार कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हृदय रोग जोखिम दृश्यांकन एवं विश्लेषण प्रणाली के लिए भारत सरकार ने डिजाइन पेटेंट से सम्मानित किया है। कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने उन्हें बधाई दी।

प्रो0 आशुतोष

अनुराग भट्ट

प्रवेश 01 जुलाई 2026 से प्रारम्भ

विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम

UGC-DEB, RCI, AICTE, NCVET, NCTE आदि द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यक्रम

स्नातक डिग्री कार्यक्रम

बी.ए., बी.ए. (स.), बी.कॉम., बी.सी.ए., बी.ए. (ऑनर्स), बी.एससी., बी.एड. (विशेष शिक्षा) आदि।

स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम

एम.ए., एम.एससी., एम.कॉम., एम.सी.ए., एम.ए. (पत्रकारिता), एम.ए. (समाजशास्त्र), एम.ए. (योग), एम.एसडब्ल्यू., एम.ए. (राजनीतिं विज्ञान), एम.ए. (विशेष शिक्षा), एम.एलआईएस. आदि।

डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम

पत्रकारिता एवं जनसंचार, गढ़वाली, कुमाउँनी, नेपाली, आरटीआई, साइबर सिक्योरिटी, एच.आर., फूड प्रोसेसिंग, डिजिटल मार्केटिंग, भारतीय ज्ञान परंपरा, असिस्टेंट हेल्थ केयर मैनेजर (NCVET द्वारा मान्यता प्राप्त) आदि।

संपादकीय मंडल

प्रधान संपादक - प्रो. राकेश चंद्र रयाल
संपादक - डा. शशांक शुक्ल
सहायक संपादक - श्री विनायक तिवारी, सुश्री हर्षिता मेहता
डिजाइनर - श्री हरीश गोयल
सहायक लिपिक - श्री मोहन जोशी

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर के पीछे, तीनपानी
बाईपास, हल्द्वानी-263139, नैनीताल, उत्तराखण्ड

Admission QR Code

हमसे जुड़े :-